हरिभूमि
मालवा भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025

04 पैसे मांगने के आरोपः प्रसूता को रेफर करने के बाद...

07 भगवान श्रीकृष्ण व राधा रानी की पूजा-अर्चना कर...

नागदा | महिदपुर | तराना | बड़नगर | उन्हेल | घट्टिया | इंगोरिया | खाचरौद | माकड़ोन | कायथा

खबर संक्षेप

बगलामुखी मंदिर पर शीतकाल में आरती के समय में हुआ परिवर्तन

नलखेड़ा। शीतकाल के प्रारम्भ होने पर नगर में स्थित विश्व प्रसिद्ध पीतांबरा सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर पर संध्याकालीन आरती के समय मे परिवर्तन हो गया है। अब संध्याकालीन आरती सायं 7 बजे होगी। पट बंद होने के समय मे भी बदलाव हुआ है। नगर में स्थित मां बगलामुखी मंदिर पर शीतकाल में संध्याकालीन आरती के समय मे परिवर्तन हुआ है। पूर्व में संध्याकालीन आरती सायं 7.30 बजे होती थी अब सायं 7 बजे होगी। मंगलाराती प्रातः 6 बजे होगी एवं गर्भगृह के पट रात्रि 9 बजे बंद हो जाएंगे।

1 से 6 नवंबर तक आयोजित होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव

सीहोर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस तथा पूर्ण सप्ताह राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। जिसके अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 1 से 6 नवम्बर 2025 के मध्य सीहोर इसके तहत आयोजित गतिविधियों में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा 07 विधाओं जैसे भाषण, कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, समूह लोकगीत, समूह लोकनृत्य एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी में भाग ले सकते हैं। प्रतिभागी माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कर जिला स्तरीय युवा उत्सव में शामिल हो सकते हैं। सभी प्रतिभागियों का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य है। पंजीयन उपरांत फार्म की प्रति खेल विभाग के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग कार्यालय चर्च ग्राउंड सीहोर पर जाकर अथवा मोबाईल नंबर 9111600215 पर संपर्क किया जा सकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन पार्श्व परीक्षा की अंतिम तिथि 24

सीहोर। जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए संचालित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन पार्श्व परीक्षा जो कि कक्षा 9 वी और कक्षा 11 वी की कक्षाओं में रिक्त सीटों के लिये आयोजित की जाएगी। इसके लिए विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई थी। इस तिथि को अब बढ़ाकर 24 अक्टूबर 2025 कर दिया गया है। विद्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन कक्षा 11 वी के लिए पोर्टल https://cbseitms.nic.in/2025/nvsxi 11/ तथा कक्षा 09 वीं के लिये पोर्टल https://cbseitms.nic.in/2025/nvslx 9/ पर करा सकते हैं।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में ऑनलाइन पंजीयन शुरू

सीहोर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत युवा, खिलाड़ी, विद्यार्थी, एनसीसी एवं एनएसएस के सदस्य आदि ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं।

पशुपालकों द्वारा पूजा-अर्चना कर प्रतिमा का दूध से अभिषेक किया और मन्नत मांगी

इस बार भी दो दिन लगा बारहखंबा मेला, जमकर की गई खरीदारी, लाखों का हुआ कारोबार

परंपरानुसार यह मेला दिवाली के अगले दिन अर्थात पड़वा को आयोजित होता था, लेकिन पिछले 3 सालों से यह दिवाली के दो दिन बाद आयोजित किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

हर वर्ष की भांति इस साल भी इछावर के गांव देवपुरा में मंगलवार ए बुधवार को भगवान पशुपतिनाथ का मेला आयोजित किया गया, जिसमें अंचल सहित दूर दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाया और पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने अपने पशुधन की सलामती एवं सुख समृद्धि की मंगल कामना की। परंपरानुसार यह मेला दिवाली के अगले दिन अर्थात पड़वा को आयोजित होता था, लेकिन पिछले 3 सालों से यह दिवाली के दो दिन बाद आयोजित किया जा रहा है। दरअसल दिवाली के अगले दिन अर्थात कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पड़वां को लगने वाला यह मेला तिथियों में अंतर के कारण दिवाली के दूसरे दिन आयोजित किया गया। इस बार मेला दो दिन तक चला। मेला स्थल तक पहुंचने के लिए तीनों प्रमुख मार्गों पर करीब तीन-तीन किमी तक वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दी। प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए थे।

बुधवार को देवपुरा में भगवान पशुपतिनाथ का मेला आयोजित किया गया, जिसमें अंचल के अलावा जिले व प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने मंदिर में स्थित भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा का दूध से अभिषेक कर अपने पशुधन की सलामती की मंगल कामना की। साथ ही मेले में ग्रहस्थी की सामग्री और खिलोने आदि की जमकर खरीददारी की। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान की प्रतिमा का दूध से अभिषेक किए जाने के कारण मंदिर से दूध की धारा बहने लगी और मंदिर के बाहर स्थित एक कुंड में हजारों लीटर दूध जमा हो गया। इसके अलावा लोगों ने मेले में खरीदारी करने के साथ ही झूला आदि का जमकर लुफ्त उठाया।

कई किमी तक लगी वाहनों की कतार

मेला स्थल पर पहुंचने वाले खेरी, गादिया, दिवडिया मार्ग पर कई किमी तक वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दी मेले में शामिल होने के लिए बच्चे, युवा, बुजुर्ग और महिलाएं हजारों की संख्या में पहुंचे।

मंदिर से बह निकली दूध की धारा

मंदिर में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ अलसुबह ही लगना शुरू हो गई थी। इस दौरान पशुपालकों द्वारा पूजा-अर्चना कर प्रतिमा का दूध से अभिषेक किया और मन्नत मांगी। माना यह जाता है कि यहां जो व्यक्ति भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिमा पर दूध चढ़ाता है, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है, इसी के चलते यहां दूध चढ़ाने के लिए हर साल श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

भगवान चित्रगुप्तजी का किया गया पूजन

नलखेड़ा। चित्रांश कायस्थ समाज द्वारा अपने आराध्य देवाधिदेव भगवान चित्रगुप्तजी की जयंती समारोह भाई दूज एवं यम द्वितीया पर्व पर भगवान चित्रगुप्त जी का पूजन किया गया। समाज के अजय श्रीवास्तव के निज निवास सहित समाज के अन्य परिवारों में भाई दूज पर्व के दिन भगवान चित्रगुप्त जी महाराज का मंत्रोच्चार के साथ कागज, कलम, दावत का पूजन किया गया। एवं चित्रगुप्त जी महाराज की कथा का वाचन किया गया। घर आंगन में रंगोली भी बनाई गई। कायस्थ परिवार के कुल देवता भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजन अर्चना भाई दूज पर्व पर की जाती है। माना जाता है कि भगवान चित्रगुप्त को कर्मों का लेखाकार कहते हैं उनके पास हर एक व्यक्ति के अच्छे और बुरे कर्म का हिसाब वह रखते हैं। इसी के चलते देश के तमाम हिस्सों में भाई दूज के इस पर्व पर पूजा के दौरान कलम और दवात की पूजा की जाती हैं।

बहन ने भाई को तिलक लगाकर मनाया भाई दूज पर्व

कानड़। पांच दिवसीय प्रकाश के पर्व का समापन भाई दूज पर्व माना कर संपन्न हुआ। एक और जहां उल्लास के साथ प्रकाश पर्व मनाया गया उसके साथ ही गुरुवार को भाई बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व भाई दूज भी हार्षोल्लास से मनाया गया। भाईदूज पर दूरदराज से भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे और यहां बहनों ने भी भैया पर अपना प्यार लूटने में कोई कमी नहीं छोड़ी और अपने भैया को भाल पर तिलक लगाकर स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ भोजन करवा कर उन्हें उपहार भी दिया तो भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देकर पर छूकर आशीर्वाद लिया। भाई दूज पर्व नगर के हर घर परिवार में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

धरोला में गो पूजन के बाद निकाली गोमाताओं की शोभायात्रा

नलखेड़ा। तहसील की सबसे बड़ी गौशाला नटकेश्वर गौशाला धरोला में गौपूजन पश्चयात ग्राम में गौमाताओं की शोभायात्रा निकाली गई। ग्राम धरोला स्थित श्री नटकेश्वर गौशाला में सरपंच राकेश पाटीदार, भाजपा जिला महामंत्री रामेश्वर तेजरा सहित ग्रामवासियों द्वारा परम्परानुसार गोवर्धन पूजा कर गौमाताओं का श्रृंगार किया गया। श्रृंगार उपरांत विधि विधान से सभी गौमाताओं का पूजन ग्रामवासियों द्वारा किया गया। पूजन उपरांत गौशाला की 500 से अधिक गौमाताओं की शोभायात्रा ग्राम में निकाली गई। इस दौरान ग्राम में घर घर गौमाता की पूजा कर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ गौमाताओं की शोभायात्रा निकलने के दौरान ग्राम का दृश्य गोकुल, वृंदावन जैसा दिखाई दे रहा था।

श्री कृष्ण को 56 भोग लगाकर मनाया अन्नकूट महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कानड़

रोशनी के त्योहार दीपावली और गोवर्धन पूजा उत्सव धूम धाम से मनाने के बाद पड़वा से भगवान श्री हरि के विभिन्न स्वरूपों को नए अन्न का भोग लगाने लगाने की प्राचिन परंपरा आज भी लोगो द्वारा निभाई जाती है जिसको लेकर अन्नकोट का दौर पडवा से शुरू हो गया। नगर के कई घरों में दीपावली की पडवा से लेकर देवउठनी ग्यारस तक भगवान गिरिराज धारण श्री कृष्ण को 56 भोग लगाया गया।परिवार की महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन कर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना के बाद आरती कर परिवार की तरक्की, खुशहाली की कामना की।

अन्नकूट को लेकर आज भी जीवित है परंपरा

अन्नकूट को लेकर ऐसी मान्यता है कि ब्रज वासियों को इंद्र के क्रोध से बचाने हेतु गोवर्धन पर्वत को छप्पन भोग लगाए थे। भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत अपनी उंगली पर उठाकर ब्रज वासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाया था तभी से घर परिवार में सुख समृद्धि हेतु भगवान श्री कृष्ण व गोवर्धन नाथ को अन्नकूट में तरह-तरह के पकवान बनाकर भोग लगाया जाता है।

नववर्ष पर हुए धार्मिक प्रवचन को सुनने के लिए भक्तों का उमड़ा सैलाब

'भगवान के दर पर दास बनकर आना चाहिए, मालिक बनकर नहीं'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नलखेड़ा

भक्त को भगवान के दर्शन करने में आनंद आता है। संकल्प विकल्प के बिना भक्ति में आनंद आता है। दर्शन करते-करते हमें ऐसा प्रतीत होना चाहिए कि मैं भी सिद्ध शिला पर विराजमान हूं ऐसा चिंतन करना चाहिए। भक्त को दास बनकर मंदिर में आना चाहिए। वह भगवान ही क्या जो अपने भक्तों को भगवान न बना ले। तीर्थंकरों की भक्ति हमें भी भगवान बना सकती है। भगवान के द्वार पर दास बनकर आना चाहिए। मालिक बनकर नहीं आना चाहिए।

दिगंबर जैन समाज में इस वर्ष चातुर्मास हेतु विराजित प.पू.गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महा मुनिराज के सुशिष्य मूल संघ के गणधर मुनि श्री 108 विवर्धन सागर जी महाराज व मुनि श्री विश्व नायक महाराज सा. ने नववर्ष सुहाग पड़वा पर दिए गए अपने विशेष प्रवचन के दौरान यह बात कही गई। मुनिश्री ने कहाकि जिसने इस संसार को पार कर लिया वही जीव उपादेय है। जो इस संसार में विचरण कर रहा है वहां जीव हम हैं। इस संसार से बचने के लिए जीव को प्रयास करना चाहिए। शक्ति रूप से हर जीव परमात्मा बनने की क्षमता रखता है। वैराग्य के भाव प्राप्त करने पर जीव को आनंद आता है। जो संसार में लगे हुए हैं उनको दुःख ही दुःख दिखाई देता है।

उन्होंने कहाकि जिस विषय में जीव की बुद्धि स्थिर होती है वहीं उसकी श्रद्धा जाती है। बच्चों की श्रद्धा अपने माता-पिता की ओर जाती है बड़ा होने पर बच्चे की श्रद्धा का विषय बढ़ता जाता है इसलिए अन्य कुटुंब में उसकी श्रद्धा जाती है। मुनिश्री ने बताया कि संसार में जितने प्राणी विचरण कर रहे हैं, वे सब स्थिर बुद्धि के कर रहे हैं। जिसकी श्रद्धा पंच परमेष्ठी में लीन हो गई उसका भव पर हो गया। जिसकी दृष्टि तत्वों पर चली जाती है उनका भव पर हो जाता है। जिस प्रकार बाँस के वृक्ष आपस में रगड़ा कर अग्नि पैदा कर देते हैं। उसी प्रकार यह आत्मा भी अपने स्वयं में लीन हो जाती है। तब वह आत्मा भक्ति करते-करते भगवान का रूप धारण कर लेती है।

उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति एक संत के पास मंत्र सीखने जाता है गुरु ने सोडम रूपी मंत्र बता दिया। अर्थात जो मैं हूं वही भगवान है। अविश्वास के कारण वह व्यक्ति गांव के दूसरे संत से उस मंत्र के बारे में पूछते हैं। वह संत उस मंत्र में दा और जोड़ने का कहते हैं। वह मंत्र दासोडम हो जाता है। व्यक्ति दोनों मंत्र विकल्प करने लगता है। जब तक विकल्प रहेंगे तो दुःखी रहोगे। उन्होंने कहाकि हमें भगवान के स्वरूप की ओर ही ध्यान देना चाहिए। पुनः व्यक्ति पहले वाले संत के पास जाता है। वो उस मंत्र में स और जोड़ने का कहते हैं। वह सदा सोडहम् मंत्र हो जाता है। इस प्रकार वह व्यक्ति का वहा मंत्र एक पुस्तक हो गया। इस प्रकार सच्चे गुरु कहते हैं कि सभी मंत्र सही है। मुनिश्री ने कहाकि मंदिर में जाकर परमात्मा के दर्शन करते-करते हमें ऐसा प्रतीत होना चाहिए कि मैं भी सिद्ध शिला पर विराजमान हूं। ऐसा चिंतन करना चाहिए। प्रभास टोंक पर सुपार्श्वनाथजी को निर्वाण प्राप्त हुआ था। ऐसा भाव हमें भाना चाहिए कि हम सम्मेद शिखर पर विराजमान है। सिद्धों के समान ध्यान में हमें लीन होना है। अंत में अविकारी आत्मा ही शेष रहती है।

मुनिश्री ने कहाकि भक्तों को मंदिर में दास बनकर आना चाहिए। वहां भगवान ही क्या जो अपने भक्तों को भगवान न बना ले। तीर्थंकरों की भक्ति हमें भी भगवान बन सकती है यहां आत्मा अपने स्वयं की उपासना करते-करते परमात्मा में परिणीत हो जाती है। जैसे बांस आपस में टकराने पर अग्नि पैदा कर देते हैं। जो संसार के दुःखों से पार हो गया वह जीव उपादेय है। जो जीव लीन है वहां हम हैं। उन्होंने बताया कि जिससे तत्व ज्ञान हो और जिस तत्व से चित्त का निरोध हो संसार का ज्ञान तो हमने बहुत कर लिया हमारा चित्त संसार व लोक में चला जाता है। आत्मा का आनंद आने वाले ज्ञान में हमें लीन रहना चाहिए। संसार भावना के रहस्य समझो जिस संसार में रहते हैं उसमें ही सुख मान बैठे। परिवारजन संसार घटाने वाले नहीं बल्कि संसार बढ़ाने वाले हैं। जो इस सत्य को समझ गया वहीं अपनी आत्मा का कल्याण कर पाएंगे।

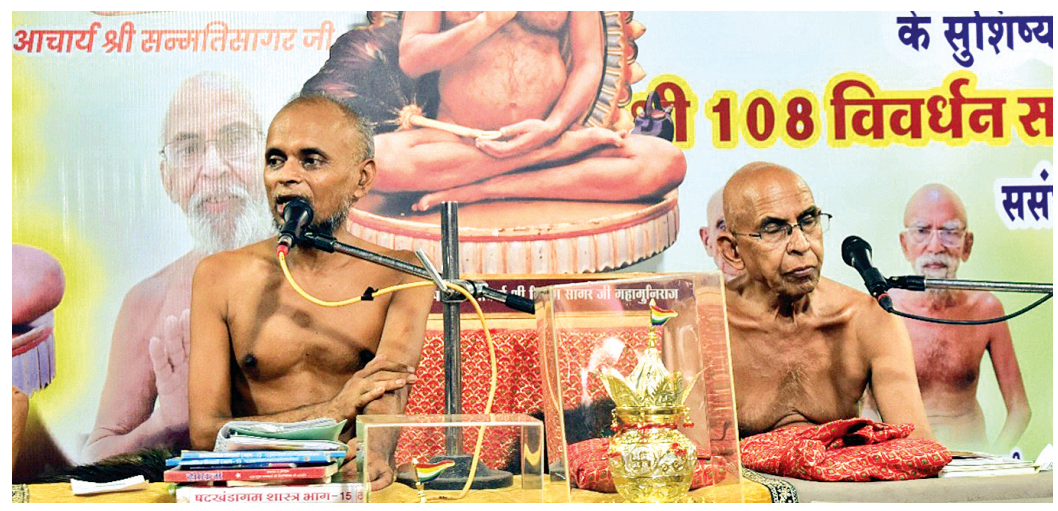

खबर संक्षेप

सूने घर में चोरी, लाखों का माल ले उड़े बदमाश

देवास। शहर के नावेल्टी चौराहा स्थित हेबतराव मार्ग पर संतोष बासरकर के घर में अज्ञात बदमाशों ने बुधवार को चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर सूने घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन और 9 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) चुरा ले गए। घटना के समय संतोष बासरकर अपनी पत्नी सुजाता के साथ भाई दूज के लिए इंदौर गए थे। पड़ोसियों ने उन्हें घर में चोरी होने की सूचना दी। जब वे घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। पीड़ित परिवार ने तत्काल पुलिस को मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुजाता बासरकर ने पुलिस को बताया कि चोरों ने उनके घर से दो चांदी की थाली, छह गिलास, एक चांदी की कटोरी, दो लोटे, एक सोने का हार, दो सोने के कड़े और दो सोने की बालियां चुराई हैं। चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 10 लाख रुपए आंकी गई है।

जिला अस्पताल में फिर आया गंभीर लापरवाही का मामला सामने

पैसे मांगने के आरोप: प्रसूता को रेफर करने के बाद नवजात की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

सीएमएचओ ने दिया आश्वासन जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर की जाएगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

जिला अस्पताल में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता महिला को रेफर करने के बाद नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी अनुसार, तीन दिन पहले शहर के एक परिवार ने अपनी बेटी को प्रसव पीड़ा के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि लगातार तीन दिनों से महिला को दर्द हो रहा था, लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों ने समय रहते डिलीवरी नहीं करवाई और उसे अमलतास अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार सुबह प्रसव के बाद बच्चों की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन की ओर से उन्हें बच्चों की हालत या मृत्यु की जानकारी तक नहीं दी गई। इस घटना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल में जमकर हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टरों और जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जांच की बात कही है। अधिकारियों का कहना है कि घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है और पूरी जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी अनुसार, ईटावा निवासी रीना पति वसीम को 21 अक्टूबर को प्रसूति के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि दर्द शुरू न होने पर अस्पताल स्टाफ ने डिलीवरी नहीं करवाई। उन्होंने ऑपरेशन करने का भी अनुरोध किया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। गुरुवार सुबह महिला को बांगर स्थित अमलतास अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां महिला ने एक मृत नवजात को जन्म दिया। इसके बाद नाराज परिजन नवजात का शव लेकर वापस जिला अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि अगर समय पर सही इलाज मिलता तो उनके बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल कर्मियों ने इलाज के नाम पर उनसे पैसे की मांग की थी। इस मामले पर सीएमएचओ सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान

में आया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन दिनों में ड्यूटी पर रहे स्टाफ से बात की जाएगी और पैसे मांगने के आरोप की भी जांच कार्रवाई जाएगी।

ऑपरेशन मुस्कान:24 घंटे में अपहर्ता को किया गिरफ्तार

थाना कमलापुर पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ चापड़ा

पुलिस थाना कमलापुर पर परिजनो व्दारा अपहर्ता के अपहरण के संबंध में संदेह बताकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसके पश्चात मामले की गंभीरता को लेते हुए ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिक बालक बालिकाओं की तलाश शुरू की गई।

परिजन द्वारा अपहर्ता के न मिलने पर अनहोनी घटना होने की शंका जताते हुए काफी परेशान थे, पुलिस ने अलग अलग टीम बनाई। इंदौर देवास विभिन्न स्थानों पर पतारसी के बाद पुलिस को सूचना प्राप्त हुई और दबिश देकर गुरुवार को पुलिस थाना कमलापुर प्रभारी उपेंद्र नाहर की टीम द्वारा जिला इंदौर से दस्तयाब किया गया। थाना प्रभारी उपेंद्र नाहर ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में सीसीटीवी कैमरे चेक कर एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय कर अपहर्ता के फोटो भेजे जाकर एवं उनकी जानकारी मिलने पर तत्काल पहुंचकर एवं जिले की सक्रिय साइबर तकनीकी सहायता के चलते अपहर्ता को सुरक्षित पुलिस अभीरक्षा में लेकर थाना कमलापुर आए एवं अपहर्ता से पूछताछ की कोई घटना घटित होना नहीं पाया जिनको उनके परिजन के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चों को सकुशल देखकर माता-पिता परिजन के चेहरे पर मुस्कान आई एवं उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यवाही मे उप निरी उपेन्द्र नाहर थाना प्रभारी कमलापुर, उप निरी राकेश नरवरिया, उप निरी पार्वती डाबर, प्रआर सचिन, आर विवेक, आर बलराम, आर दिलीप का सराहनीय योगदान रहा है।

मां काली की भक्ति में लीन हुआ बंगाली समाज, आज महाप्रसादी, कल निकलेगा चल समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

शहर के बालगढ़ क्षेत्र स्थित अर्जुन नगर में इस वर्ष श्री श्री शिव शक्ति देवी माँ काली पूजा उत्सव समिति द्वारा 16वां वार्षिकोत्सव अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। पूरे आयोजन में माँ काली की आराधना, भक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम मची हुई है।

समिति अध्यक्ष संजीत हालदार ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत माँ काली पूजा और गंगा पूजा से हुई। इसके पश्चात रात्रि में चण्डी पाठ, माँ काली की पूजा और संध्या आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित होकर माँ से आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। 22 अक्टूबर को देवास के प्रसिद्ध भजन गायक आकाश अग्रवाल के द्वारा माता रानी के भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों पर झूम उठे। 24 अक्टूबर को शाम 7 बजे से मंदिर परिसर में महाप्रसादी वितरण (भण्डारा) का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर स्थानीय एवं बाहरी कलाकारों द्वारा धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी, जो कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाएंगी। 25 अक्टूबर, शनिवार को सुबह 11 बजे से एक भव्य चल समारोह का आयोजन होगा, जो अर्जुन नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। इस शोभायात्रा में आकर्षक झांकियाँ और भक्ति में रंगे श्रद्धालु माँ काली के जयकारे लगाते हुए नगर में दिव्यता का संचार करेंगे। समिति उपाध्यक्ष शेखर साहा, हेमंत वैद्य, सचिव अशोक मण्डल, अभिजीत हालदार, कोषाध्यक्ष प्रदीप हावलादार, संजु विश्वास, आकाश मंडल सहित बंगाली समाज ने नगरवासियों सेअधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने अपील की।

कांग्रेस नेता अग्रवाल की आगजनी में दम घुटने से हुई मौत, बड़ी बेटी सौम्या गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

सौम्या ग्रुप के संचालक और कांग्रेस नेता प्रवेश अग्रवाल का गुरुवार सुबह मौत हो गई। दरअसल उनके इंदौर स्थित महिंद्रा शोरूम के ऊपर पेंट हाउस में गुरुवार तड़के आग लग गई। बताया जा रहा है कि वे अपनी बेटी को बचाने की कोशिश में दम घुटने से उनकी मौत हो गई। उनकी बड़ी बेटी सौम्या झुलस गई है, उसकी हालत गंभीर है। हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। लसूड़िया इलाके में कांग्रेस नेता प्रवेश अग्रवाल का सौम्या महिंद्रा कार शोरूम है। शोरूम के ऊपर पेंटहाउस में प्रवेश का परिवार रहता है। आग लगने के दौरान घर में प्रवेश, उनकी पत्नी श्वेता और दोनों बेटियां सौम्या (15) और मायरा (10) मौजूद थे। दम घुटने से प्रवेश अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बड़ी बेटी सौम्या को गंभीर हालत में बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।बताया जा रहा है कि गार्ड्स ने कांग्रेस नेता की पत्नी श्वेता और छोटी बेटी मायरा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। घटना का सबसे बड़ा कारण हाई सिक्योरिटी बताया जा रहा है। अंदर एसी और डिजिटल लॉक लगे थे, जो रिमोट या फिंगर टच से ही खुलते थे। सुबह धुंए के कारण लॉक नहीं खुल पाया। लसुड़िया टीआई तारेश सोनी के मुताबिक, अलसुबह उन्हें आगजनी की सूचना मिली। उन्होंने मौके पर एफआरवी को भेजा। प्रारंभिक जानकारी में पता चला कि ऊपर पेंटहाउस में मंदिर में अखंड दीपक जल रहे थे। वहीं, पास में ही एक स्टोर रूम भी था। आशंका है कि मंदिर से ही आग की शुरुआत हुई होगी। पहले धुआं भरने से उनकी पत्नी और छोटी बेटी बाहर की तरफ आईं। उन्होंने गार्ड को ऊपर से आवाज दी। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। धुएं से प्रवेश अग्रवाल और उनकी 15 वर्षीय बड़ी बेटी सौम्या को बाहर निकाला गया। प्रवेश बेसुध हालत में थे। उन्हें सीपीआर दिया गया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। देर शाम उनके भतीजे ने उन्हें मुखाग्नि दी। कांग्रेस नेता प्रवेश अग्रवाल पूर्व सीएम कमलनाथ के करीबी थे। वे कमलनाथ की कोर टीम में शामिल रहे हैं। प्रवेश मूल रूप से देवास की राजनीति करते थे। उन्होंने देवास शहर की विधानसभा से पिछले चुनाव में टिकट भी मांगा था। देवास महापौर के लिए अपनी पत्नी का टिकट भी मांगा था, लेकिन एन मौके पर टिकट काट दिया था।

दीपावली पर नूरी अंजुमन इस्लामिया वक्फ कमेटी ने सद्भावना से परिवार की मदद की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागली

दीपावली पर्व परनूरी अंजुमन इस्लामिया वक्फ कमेटी के द्वारा उत्कृष्ट कार्यों की श्रृंखला में गुरुवार को सद्भावना के साथ संवेदना प्रकट करते हुए सदर फिरोज खान के नेतृत्व में अत्यंत गरीब स्व. राजू बसौड के बच्चों को दीपावली के अवसर पर उनके घर जाकर कपड़े, फटाके, मिठाई और खाद्य सामग्री भेंटकर अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रदान की। कमेटी के सदर फिरोज खान द्वारा पूर्व में भी राजू बसौड की बिमारी के वक्त एक लाख रुपए की मदद परिवार को की थी और गिरवी मकान को भी मुक्त कराने के लिए पुरे पैसे अपनी ओर से दिए गए थे।

सदर फिरोज खान व कमेटी के द्वारा वर्षभर नगर के बुजुर्गों से प्यार, सौहार्द्र और सद्भावना की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए हर धार्मिक, सामाजिक जुलूस आदि में सर्वधर्म समभाव की भावना से नूरी अंजुमन इस्लामिया कमेटी के बैनर तले आत्मीय अभिनंदन किया जाता है। नगर में सभी धर्म और सम्प्रदाय के आयोजनों में अपनी ओर से तन, मन और धन से सहभागिता की जाती हैं।इस अवसर पर बुजुर्ग दादी ने सदर फिरोज खान को आशिर्वाद देते हुए उनके हर समय सहयोग की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। वक्फ बोर्ड पूर्व जिलाध्यक्ष शकील खान तथा हमीद खान सहित कमेटी की ओर से इकबाल शाह ,रईस ठेकेदार,जहूर शाह, जामिन खान,कादर खान, सकील पठान, रईस अब्बा, नौसाद खोकर, खालीक भाई फ्रुट वाले, पप्पू टेलर, आरिफ खान आदि उपस्थित रहे। विशेष रूप से उपस्थित पूर्व पार्षद पुरूषोत्तम सिसोदिया व शिक्षक वारिस अली ने कमेटी द्वारा जारी सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसके लिए सदर फिरोज खान की सकारात्मक सोच का होना बताया तथा पुरी कमेटी से भी सदैव इस तरह के कार्य करते रहने की अपील की।

गवली समाज ने की गोवर्धन पूजा

देवास। गवली समाज द्वारा दिवाली के बाद पारंपरिक रूप से मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। रवि यादव ने बताया कि समाज की महिलाओं ने सुबह जल्दी उठकर गाय का गोबर एकत्रित किया और उससे गोवर्धन पर्वत की आकृति तैयार की। इसके बाद उसे मोर पंख, फूलों और दीपों से सजाया गया। पूजा विधि के अनुसार, समाज के लोगों ने गोवर्धन की परिक्रमा की और भगवान श्रीकृष्ण से परिवार की सुख-समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की। पूजा संपन्न होने के बाद परंपरा अनुसार बच्चों को गोवर्धन में लिटाया गया, ताकि वे पूरे वर्ष स्वस्थ और दीर्घायु रहें। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि यह परंपरा श्रीकृष्ण काल से चली आ रही है, जब उन्होंने ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप और मूसलाधार वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था।

एक घर ऐसा भी: 70 से 80 सदस्यों का परिवार आज भी मनाता है एक साथ पर्व

चौहान परिवार आज भी कर रहा परंपराओं का निर्वहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भौरासा

नगर के चौहान परिवार में आज भी सामूहिक रूप से सभी पर्व मनाए जाते हैं। चौहान परिवार में तीज व त्यौहार पर परिवार जनों का जमावड़ा लगता है। जहां आज के जमाने में लोग अकेले रहना पसंद करते हैं वही नगर के चौहान परिवार में सात भाइयों के 14 पुत्र और उन पुत्रों के परिवार के सदस्यों को मिलाकर लगभग 70 से 80 सदस्य त्यौहारों पर एक साथ इकट्ठे होकर त्यौहार मनाते हैं और पुरानी परंपराओं का निर्वहन करते है। परिवार के बुजुर्ग मुखिया उत्तम सिंह ठाकुर, पर्वत सिंह ठाकुर, कृपाल सिंह ठाकुर व जय सिंह ठाकुर ने अपने पूरे परिवार को एक साथ एक ही माला में आज भी पिरोए रखा है जो भी परिवार जन अपने काम धंधे व बच्चों की पढ़ाई के चलते बाहर चले गए हैं वह भी सभी तीज त्योहार पर परिवार में शामिल होते हैं।

जहां जीवन सिंह ठाकुर बताते हैं कि हमारे परिवार के सदस्य इंदौर, देवास, राजोदा, व अन्य जगहों से माता पूजन, दीपावली, गोवर्धन पूजा, रंग पंचमी, होली जैसे सभी त्योहार मनाने भौरासा आते हैं व एक साथ त्यौहार मनाते हैं। आज भीहमारे यहां पर गोवर्धन पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाती है। वही महिलाएं अपने घर के बाहर गाय के गोबर से गोवर्धन बनाकर उनकी पूजा करती है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी

पशुओ को नहलाकर उन्हें सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में छाबड़ा भी खिलाया जाता है।

नगर के ठाकुर मोहल्ले में स्थित चौहान परिवार के द्वारा बुधवार को दिनभर का नजारा किसी मथुरा या वृंदावन से कम नहीं था। ठाकुर मोहल्ले की गलियों में राधे राधे मोर मुकुट बंसी वाले की जय जय घोषगूंज रहे थे। भक्ति और उल्लास के इस माहौल में परिवार जन गोवर्धन पूजा और परिक्रमा करते हुए नजर आए। जहां बैंड बाजे के साथ आरती पूजन संपन्न हुआ तो वही चारों और उल्लास और श्रद्धा का वातावरण छा गया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में गरबा व भजन कर रही थी तो बच्चे और बुजुर्ग भी भक्ति में डूबे हुए थे। शाम 5:00 बजे से शुरू हुआ पूजन देखते ही बन रहा था। चौहान परिवार की महिलाओं ने घरों से गोबर एकत्रित कर सामूहिक रूप से गोवर्धन का निर्माण किया।

पारंपरिक विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। पकवानों का भोग लगाया गया और परिक्रमा के बाद एक अनोखी रस्म भी निभाई गई। गाय के गोबर से बनाए गए गोवर्धन को पूजन के बाद दो बैलों के पैरो को महिलाओं द्वारा बनाए गए गोवर्धन पर चढ़ाया गया व बैलों के पैर से इसे गुदाया गया। इसके बाद सभी महिलाओं ने दोनों बैल जोड़ी की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जिसे देखने नगर के लोग पहुंचे।

पड़वा पर किसानों ने किया बैलों का पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ चापड़ा

लक्ष्मी पूजन के बाद बुधवार के दिन किसानों द्वारा गोवर्धन पूजन कर दीपावली उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान किसानों द्वारा अपने पशुओं का आकर्षक श्रृंगार कर पूजन किया गया। नगर चापडा में बुधवार की शाम को जिन किसानों के पास बैल है, उनके द्वारा बैलों का आकर्षक श्रृंगार कर परिवार के साथ पूजन किया गया। किसान बृजमोहन यादव, धर्मेंद्र सिंह, मुकेश दास वैष्णव ने बताया कि आज के आधुनिक समय में ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसानों का यहां बैलों की संख्या काफी कम हो चुकी है, जिन किसानों के यहां बैल है उन किसानों के लिए यह दिन काफी उत्साह भरा होता है, जिसका वह पूरे वर्ष इंतजार करते हैं। लक्ष्मी पूजन के बाद पड़वा के दिन गोवर्धन पूजन के साथ ही परिवार के साथ घर के आंगन में विधि विधान सब के साथ बैलों का पूजन किया जाता है। उसके बाद उन्हें खीर पूरी खिलाई जाती है, साथ ही पूरा परिवार बैलों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं। बैल पूजन के पश्चात आतिशबाजी कर दीपावली मनाई जाती है।

खबर संक्षेप

पेड़ से गिरकर किसान की मौत परिजन गमगीन

बार। बार थाना क्षेत्र के कडरयाना मुहल्ले में एक किसान की नीम के पेड़ से गिरकर मौत हो गई। दातुन तोडऩे के लिए पेड़ पर चढ़े 58 वर्षीय विनोद कुमार साहू का पैर फिसल गया, जिससे वे नीचे आ गिरे। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, मृतक विनोद कुमार साहू पुत्र जगन्नाथ प्रसाद मंगलवार दोपहर करीब दो बजे अपने घर के पास स्थित नीम के पेड़ पर दातुन तोडऩे के लिए चढ़े थे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे नीचे बने चबूतरे पर जा गिरे। मुहल्लेवासी और परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बार लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद विनोद कुमार साहू को मृत घोषित कर दिया। विनोद कुमार साहू की मौत की खबर सुनते ही पत्नी और परिजनों में शोक छा गया। उनके दो पुत्र हैं, जो ललितपुर में रहते हैं, उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।।

शराब पीने के लिए रुपए न देने पर मारपीट

ललितपुर। औद्योगिक आस्थान चंदेरा स्थित अजित नाथ दाल मिल पर कार्यरत रमेश बड़ा पुत्र बलसह ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 21 अक्टूबर की अपराह्न करीब 3.30 बजे दो मोटर साइकिल से चार अज्ञात लोग आये और उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगने लगे। मना करने पर उक्त लोगों ने लात-घूसों और लोहे के सरिया से सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। हमला होने के बाद उसके भाई उमेश व प्रदीप बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गयी और जान से मारने की धमकी देकर उक्त लोग मौके से भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

अस्पताल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला अशोकनगर अंतर्गत थाना चंदेरी के प्राणपुरा निवासी समीर खान पुत्र अनवर खान ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 20 अक्टूबर को सुबह 10 बजे वह अपनी मोटर साइकिल संख्या एम.पी. 67 एम.जी. 2243 एच.एफ.डीलक्स लाल रंग से अपनी मां कुरैशा बानो जो कि बाहुबलि अस्पताल में इलाज के दौरान भर्ती हैं को देखने आया हुआ था। यहां उसने अपनी मोटर साइकिल मोहल्ला रावतयाना नदिया किनारे अस्पताल के सामने रखकर मां को देखने चला गया। अपराह्न करीब 1.57 पर जब वह बाहर आया और उसने देखा कि उसकी मोटरसाइकिल मौके से गायब थी। पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी।

छेड़छाड़ व पॉक्सो प्रकरण में 3 को किया गिरफ्तार

विदिशा। महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति सतर्कता दिखाते हुए थाना कोतवाली पुलिस ने छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अन्नकूट गोवर्धन पूजा संपन्न, श्रीराधा कृष्ण मंदिर में हुआ भंडारा

भगवान श्रीकृष्ण व राधा रानी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

दीपावली पर्व के दूसरे दिन गांधीनगर नई बस्ती स्थित श्रीश्री 1008 श्रीराधा कृष्ण साहू समाज मंदिर में अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर भक्तों की भीड़ से गुलजार रहा। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष अन्नकूट के रूप में विभिन्न प्रकार के व्यंजन सजाए गए, जिन्हें देखकर भक्तों में उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा विधिवत सम्पन्न कराई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति के चारों ओर परिक्रमा लगाई और भगवान से सुख-समृद्धि एवं अच्छी फसल की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन पूरी श्रद्धा, प्रेम और आपसी सौहार्द के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति संगीत और कीर्तन के सुरों से वातावरण गुंजायमान रहा। महिलाएँ और बच्चे पारंपरिक परिधान में सजे नजर आएं। अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के

इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना दिया। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और युवाओं की भी विशेष उपस्थिति रही जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। गांधीनगर नई बस्ती में आयोजित इस अन्नकूट एवं गोवर्धन पूजा ने यह संदेश दिया कि धर्म, भक्ति और एकता से ही समाज में खुशहाली संभव है। इस दौरान पं.प्रवीण दुबे, पं. राहुल चौबे, प्रेम नारायण, दीपांशु, शिवानी, शिखा, मयंक, रूपेंद्र, कठोर, प्रिय, मोनिका, वंश, ब्रज, देव, भावना, विनय कुमार जोशी टेलर्स, पत्रकार देवेंद्र साहू सहित समस्त मोहल्लेवासी मौजूद रहे।

किसानों ने डीएम को दिया ज्ञापन

छह माह से बंद पड़े फीडर को चालू कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

कल्यानपुरा फीडर की बंद पड़ी बिजली को सुचारू करायी जाकर किसानों को राहत दिये जाने की मांग को लेकर गांव से आये किसानों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन ओएसडी अनिल कुमार दीक्षित को सौंपा।

ज्ञापन में किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत कल्यानपुरा के अंतर्गत आने वाला फीडर पिछले छह माह से बंद पड़ा हुआ है। इसके सम्बन्ध में बिजली विभाग के कई अधिकारियों को सूचित किया गया है, जिसमें अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुयी है। इस कारण किसानों को अत्याधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि न तो खेतों की सिंचाई हो पा रही है और न ही फसल की बुवाई हो पा रही है। यह भी बताया कि कचनौंदा फीडर से कल्यापुरा के लिए विद्युत संचालन किया जाये, जिससे किसान सिंचाई करने के लिए परेशानियों से न जूझे और नलकूप सुचारू रूप से संचालित हो। किसानों ने जिलाधिकारी से कल्यानपुरा फीडर को जल्द संचालित किये जाने की मांग उठायी। ओएसडी अनिल कुमार दीक्षित ने किसानों की मांग को सुनकर जल्द निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्राम प्रधान, कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलवंत सिंह राजपूत, समर सिंह एड., विक्रान्त, घनश्याम, रमेश, अजय, साबिर, घनश्याम, अनवर खां, इद्दू खां, विजय के अलावा अनेकों किसान मौजूद रहे।

ब्लैक में खाद बेचने पर मेसर्स अहिंसा ट्रेडर्स की दुकान व गोदाम किया सील

वीडियो का संज्ञान लेते हुए जिला कृषि अधिकारी ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

बिरधा स्थित खाद दुकान व गोदाम पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुये सील कर दिया है। गौरतलब है कि बिरधा स्थित मेसर्स अहिंसा ट्रेडर्स का कुछ दिनों पहले वीडियो वायरल हुयी थी, जिसमें भारी अनियमित्ताएं नजर आयी थीं। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुये जिला कृषि अधिकारी ने कार्यवाही की।

बताया जा रहा है कि बिरधा स्थित मेसर्स अहिंसा ट्रेडर्स का उर्वरक लाइसेंस कार्यालय जिला कृषि अधिकारी के पत्रांक सं. 341 सत्रह अक्टूबर को निलम्बित कर दिया गया था। इसी कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुये 22 अक्टूबर को जांच के दौरान सहयोग न करने एवं उर्वरकों का भण्डारण

वैज्ञानिक तरीके से न करने के कारण आईएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित उपलब्ध यूरिया, डी.ए.पी., टी.एस.पी. एवं एन.पी.के.एस. का भौतिक सत्यापन सही ढग़ से न होने के कारण आज मेसर्स अहिंसा ट्रेडर्स बिरधा का उर्वरक प्रतिष्ठान एवं गोदाम दोनों को सील करते हुयें अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को सचेत किया है कि उर्वरकों का विक्रय किसानों को निर्धारित दर पर करना सुनिश्चित करें अन्यथा किसी कार्यवाही के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

ग्राम अनौरा की घटना, दोनों पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

खेत में पानी भराव को लेकर दो पक्षों में लाठी-डंडों से जमकर हुई मारपीट

ललितपुर। खेत में पानी भर जाने की बात दो पक्षों में इतनी बढ़ गयी कि लाठी-डंडों से मारपीट हो गयी। दोनों तरफ से हुये प्रहार में दोनों पक्षों के दर्जन भर से अधिक लोग घायल हो गये। प्रकरण को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम अनौरा में हुये इस प्रकार के घटनाक्रम में पहले पक्ष की ओर से अनौरा निवासी उपेन्द्र सिंह पुत्र गोपाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 22 अक्टूबर को रात करीब 8 बजे उसके खेत में गांव के राघवेन्द्र पुत्र हरदेव सिंह, कृष्णपाल सिंह, प्रिवेन्द्र सिंह पुत्रगण राघवेन्द्र सिंह, सुनीता पत्नी राघवेन्द्र, छाया पत्नी कृष्णपाल, हरदेव सिंह पुत्र दिलीप सिंह ने उसके खेत में पानी भर दिया, जिससे फसल क्षतिग्रस्त हो गयी। जब उसने उलाहना दिया कि उसके खेत में पानी क्यों डाला, इतना सुनते ही उक्त लोगों ने एकराय होकर लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी, जिससे उसका परिवार घायल हो गया। मारपीट में उसके परिजनों में उसके अलावा रामराजा सिंह, गोपाल सिंह, अनीता, गीता, नव्या को अंधरूनी चोटें आयीं हैं। पुलिस ने उपेन्द्र की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 324 (2) व 115 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से अनौरा गांव की ही सुनीता पत्नी राघवेन्द्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उसके पति राघवेन्द्र सिंह पुत्र के साथ वह खेत पर पानी डाल रही थी। तभी बगल में लगे चाचा के खेत में पानी चला गया, जिस पर चाचा को फोन करके बताया कि आपके खेत में पानी गलती से चला गया है, जो नुकसान हो गया है उसकी भरपाई कर दूंगा। इस पर चाचा गोपाल पुत्र दिलीप सिंह, उपेन्द्र सिंह पुत्र गोपाल, गीता पत्नी गोपाल, प्रीति पत्नी उपेन्द्र, भूरि पत्नी स्व.पुष्पेन्द्र ने एकराय होकर उसे, उसके पुत्र व पति को गालियां देते हुये मारपीट कर दी, जिससे उसके मुंह व शरीर में गंभीर चोटें आयीं हैं। वहीं पुत्र के कपड़े फाड़ दिये और जान से मारने की धमकी दी। आरोप यह भी है कि उक्त लोगों ने खेत की मेड को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 352, 115 (2), 351 (3), 324 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर

परिवार पर हमला, महिलाओं पुरुषों को घर में घुसकर पीटा

ललितपुर। थाना बानपुर अंतर्गत ग्राम तौर टपरियन में निवासी जयहिन्द पुत्र अतल सिंह यादव ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती शाम उसके पिता अतल सिंह ललितपुर बाजार से आ रहे थे। तभी गांव की नहर की पुलिया पर गांव के ज्ञान सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह मिले, जिन्होंने पिता को रोकते हुये गालियां दीं। मना करने पर मारपीट पर आमादा हो गये, जहां से किसी प्रकार बचकर उसके पिता घर वापस आ गये। यहां रात करीब 8 बजे जब पिता व माता बैठे हुये थे, तभी ज्ञान, नन्दराम, रामेश्वर पुत्रगण लक्ष्मण, बृजेन्द्र पुत्र ज्ञानी व यादवेन्द्र पुत्र नन्दराम यादव अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ घर में घुस आये और लाठी-डण्डों से मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि हमले के दौरान उसकी मां का मंगलसूत्र व सोने की पुतरिया कहीं गिर गयी, जो कि नहीं मिली। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी

एकराय होकर मारपीट करने का आरोप

गांधीनगर चण्डी मंदिर के पास रहने वाले उत्कर्ष नायक पुत्र राजेश नायक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 21 अक्टूबर को रात करीब 10.30 बजे वह अपने दोस्तों उदय पाराशर पुत्र बालकिशन नायक, वंश पुत्र स्व.सुभाष शुक्ला, सुमिति कौशिक पुत्र विश्वनाथ के साथ पुष्पेन्द्र गैला वाली गली में थे। तभी शिवम पठान, अरविन्द पाल, बब्बू नामदेव ने अपने अज्ञात साथियों के साथ एकराय होकर गालियां देते हुये मारपीट कर दी। इस हमले में उसे व उसके दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गये। आरोप है कि लोगों के आने पर उक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ट्रेन में टिकट चेकिंग के बहाने टीटीई पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप

सीजेएम कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकद्दमा

ललितपुर। जनरल टिकट लेकर तबीयत खराब होने पर स्लीपर कोच में चढऩा महिला को काफी भारी पड़ गया। महिला यात्री का आरोप है कि टिकट चेकिंग करने आये टीटीई ने छेड़छाड़ करते हुये अभद्रता की। ललितपुर पहुंचने पर जीआरपी उसे व टीटीई को थाने लेकर पहुंची, जहां जीआरपी ने एफआईआर दर्ज नहीं की, जिसके बाद टीटीई द्वारा अपना नाम, पता बताये बिना ही राजीनामा कर माफी मांगी। जीआरपी की शिथिल कार्यप्रणाली की शिकायत एसपी रेलवे से की गयी, लेकिन कार्रवाई न होने पर महिला ने न्यायालय की शरण ली।

अब सीजेएम न्यायालय के आदेश पर जीआरपी ने महिला की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। ललितपुर रेलवे कालोनी में रहने वाली पूजा ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दावा पेश किया है। बताया कि इसी वर्ष जून माह की 30 तारीख को वह ट्रेन नं. 20808 हीराकुण्ड एक्सप्रेस में झांसी से ललितपुर की यात्रा कर रही थी। जनरल टिकिट लेकर वह तबीयत खराब होने के चलते बी-1 कोच में जाकर खड़ी हो गयी। टिकट चेक करने के लिए टी.टी. आया और उसने टिकिट मांगी, जिस पर उन्होंने टिकट दिखाया। आरोप है कि टी.टी. ने उससे अभद्रता की, जिस पर उन्होंने जुर्माना देने की बात कहते हुये अभद्रता न करने की बात कही। महिला का आरोप है कि टी.टी.ई. ने उसे अकेली समझकर उसका हाथ पकड़ कर छेडछाड़ कर गेट की तरफ ले जाने लगा। महिला ने उससे कहा कि उसके पति सरकारी काम से झांसी गये थे, जहां से लौट रहे हैं। इस पर टीटीई भड़क गया। महिला जब अपने पति के पास पहुंची और घटना की जानकारी दी तो टीटीई ने उसके पति व उसके साथ एक अन्य पुलिस कर्मी के साथ अभद्रता करते हुये वाद-विवाद कर ट्रेन में न चलने की धमकी देने लगा। मजबूरन उसने पति के मोबाइल फोन से जीआरपी ललितपुर को 15.30 बजे चलती ट्रेन से सूचना दी, जिस पर जीआरपी द्वारा ट्रेन ललितपुर रूकते ही थाने ले आये, यहां टीटीई ने अपना नाम मप्र के जिला कटनी के शास्त्री नगर कालोनी निवासी दिनेश कुमार पुत्र काशी बताया। महिला ने बताया कि चेकिंग के दौरान टीटीई अपनी नेम प्लेट व पहचान छिपाये हुये था, थाने पहुंचने पर टीटीई द्वारा माफी मांग कर राजीनामा किया। मामले की शिकायत महिला द्वारा 23 जुलाई 2025 को पुलिस अधीक्षक रेलवे झांसी से की गयी, जिसमें टीटीई द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का दुरुपयोग करते हुये चलती ट्रेन में छेड़छाड़ जैसी गंभीर घटना को अंजाम देने की शिकयत की गयी। लेकिन जब कार्रवाई नहीं हुयी तो पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली। अब सीजेएम न्यायालय के आदेश पर जीआरपी ने टीटीई के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

अभियान में की कार्रवाई

पुलिस ने चेकिंग में युवक को अवैध तमंचा के साथ पकड़ा

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना पूराकलां पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान थाना पूराकलां अंतर्गत ग्राम बलरगुवां निवासी कृष्णपाल सिंह उर्फ मंझले राजा पुत्र स्व.नत्थूसिंह को ग्राम पतारा से हिरासत में लिया है। कृष्णपाल सिंह के पास से पुलिस ने एक अवैध तमंचा 315 बोर व 02 अवैध जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किये गये हैं। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ 188/25 धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। अभियुक्त को पकडऩे वाली पुलिस टीम में उ.नि.नरेन्द्र सिंह, का.भगवान सिंह, का. विष्णु प्रताप सिंह शामिल रहे।

कीर्तिशेष रानी विश्वकर्मा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा संपन्न

मृत्युभोज के स्थान पर शांति यज्ञ व पौधरोपण किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा आचार्यजी के छोटे भाई बद्रीनारायण विश्वकर्मा की धर्मपत्नी कीर्तिशेष रानी विश्वकर्मा जो विगत ढाई वर्ष से असाध्य रोग कैंसर से ग्रसित थी, उनके निधन पर समाज सुधार की दशा में मृत्यु भोज के स्थान पर शान्ति यज्ञ, श्रद्धांजलि सभा एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित अनेक सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी शोक सम्वेदनाएं व्यक्त करते हुए विश्वकर्मा परिवार को सम्बल दिया।

उपस्थितजनों में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश, पूर्व विधायक फेरनलाल अहिरवार, सम्राट बनाफर, देवेन्द्र कौशिक, रामू कुशवाहा, संग्राम सिंह, जे.पी.यादव, पूरन सिंह, अजय श्रीवास्तव, विजयसिंह यादव, अजय प्रताप सिंह तोमर, जगदीश यादव, लखनलाल आर्य, आर्य समाज सचेतक पुरुषोत्तम दुबे, रतीराम पटेल, महेंद्र यादव, राजेश यादव, वंदना मेहता, अमर घुटारी, विजय डयोडिया, हरीश कपूर, सिरनाम सिंह, सन्मति सराफ, शानू बाबा, नरेन्द्र राजपूत, शेरसिंह यादव, कपिल नायक, डा.जगमोहन यादव, अरिमर्दन सिंह, धुरव साहू, रामप्रताप, शुभम देवलिया, राजीव लागौन, इन्द्रपाल सिंह, अमर जमौरा, महेंद्र सिंदवाहा, तिलक बानौली, रामकिशोर मुखिया, श्रीराम नामदेव, परिचय नामदेव, रामचरन झा, गौरव विश्वकर्मा, भीकमसिंह यादव, भजनलाल कुशवाहा, डा.महेश झा, डा.जगमोहन, श्याम बिहारी, शत्रुघ्न यादव, राम भगवान, मोंटी शुक्ला, डा.के.एस.सिंह, रामचरन झा, रूपनारायण विश्वकर्मा, खुशालचन्द साहू, तिलक बानौली, दीपक नामदेव, घनशयामदास सेन, अमर जमौरा, हरिसिंह यादव, लखनलाल विश्वकर्मा, दयाराम, बॉबी सरदार, कन्हैया नामदेव, इं.चन्द्रशेखर अहिरवार, बी.आर.विश्वकर्मा, आशीष चौबे, सलीम मंसूरी, भीम चौरसिया, देवीसिंह यादव, रामदास श्रोतीय, फिरोज इकबाल, रवि झा, अनिल यादव, आयुष नामदेव, राघवेन्द्र राजा आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धाजंलि अर्पित की। ततपश्चात एक अशोक का वृक्ष लगाया गया। अंत में परिवार की ओर से लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया।

चोरी की वारदातों का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार, 1.80 लाख का माल बरामद

विदिशा। कोतवाली पुलिस ने चोरी के प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, सोने-चांदी के गहने एवं नगदी सहित कुल 1 लाख 80 हजार का मशरूका बरामद किया है। साथ ही 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहनगिरी, काछी मोहल्ला, पटेल गार्डन और तिलकचौक इलाके में हाल ही में हुई चोरी की वारदातों के बाद पुलिस ने इन मामलों की जांच तेज की थी। इन प्रकरणों में थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज किए गए थे। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी जयंत पिता कालूराम लोधी (26) निवासी ग्राम जांबर बागरी, मजहर उर्फ मल्लू पिता अफसर पठान (20) निवासी बेस दरवाजा, विदिशा, तथा अजय मांझी पिता हल्के राम मांझी निवासी मंडी गेट के पास से पुलिस ने आरोपियों से चोरी गई स्प्लेंडर बाइक व सोने-चांदी के आभूषण नकदी बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से शहरवासियों में राहत और संतोष की भावना है।

तीन थानों की पुलिस ने संभाला मोर्चा, गागोरनी छावनी में हुआ तब्दील

रास्ते के विवाद में दो समुदाय में झगड़ा एक पक्ष के 8 लोग घायल, चार गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जीरापुर

ग्राम गागोरनी में बुधवार सुबह लगभग आठ बजे रास्ते के पुराने विवाद को लेकर दो समुदाय के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस खूनी संघर्ष में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें चार लोग गंभीर घायल हो गए जिनमें कमलेश पिता रामप्रसाद वैरागी उम्र 40 वर्ष, दिनेश वैरागी पिता शिवप्रसाद उम्र 60 वर्ष , गुलकंदबाई पति कमलेश 45 वर्ष , पवन पिता कमलेश को गंभीर चोटें आई जिन्हें प्राथमिक इलाज उपरांत बाहर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार यह विवाद घर के सामने से निकलने वाले रास्ते को लेकर हुआ था। आरोप है कि तस्लीम नामक युवक ने अपने 10 से अधिक साथियों के साथ मिलकर दिनेश बैरागी के परिवार पर लाठी, डंडे और पत्थरों से हमला किया। अचानक हुए इस हमले में घायल सभी आठ लोगों को उपचार के लिए जीरापुर अस्पताल लाया गया। वहां से चार गंभीर घायलों को इलाज के लिए झालावाड़ रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही जीरापुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

बुलाई गई तीन थानों से पुलिस फोर्स

विवाद बढ़ने की आशंका को देखते हुए जीरापुर, खिलचीपुर और माचलपुर थानों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। गागोरनी गांव मे पुलिस बल तैनात किया। पुलिस ने हमले में शामिल तीन आरोपी तस्लीम, शाहरुख और इब्राहिम को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। हमले के बाद गांव में तनाव फैल गया। ग्रुस्साए लोगों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर जीरापुर के इंदर चैराहे पर सड़क जाम कर दिया। थोड़े समय तक यातायात बाधित रहा, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और स्थिति को शांत किया। जहां पर अनु विभागीय अधिकारी अंकिता जैन, एसडीओपी धर्मवीर सिंह नागर, नायब तहसीलदार रामकुमार धाकड़, माचलपुर थाना प्रभारी पूजा परिहार, खिलचीपुर थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती, सब इंस्पेक्टर आदित्य सोनी एवं संतोष सिंह सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

छावनी में बदला गागोरनी गांव

सुरक्षा की दृष्टि से गागोरनी गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। देखते-देखते पूरा गांव छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस ने फरियादी मुकेश बैरागी गागोरनी की रिपोर्ट पर आरोपी इब्राहिम, शाहरुख, सादिक, तस्लीम, मांगीलाल मंसूरी, आशिक, अफसाना बी पिता इब्राहिम के खिलाफ बलवा, मारपीट जान से मारने की धमकी गाली-गलोच सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा कायम किया। घटना के समय सुबह मुकेश अपनी दुकान खोलने जा रहा था उसी दौरान आरोपियों ने हमला किया जब बीच बचाव करने परिवार के लोग आयें तो उन पर भी हमला किया जिसमें चार लोग गंभीर घायल हो गए।

दिव्यांगजन संगठन पदाधिकारियों ने जाहिर किया रोष

फीकी रही जिले के दिव्यांगजनों की दिवाली, नहीं मिली पेंशन

राजगढ़। राजगढ़ जिले के सभी ब्लॉकों के सैकड़ों दिव्यांगों को आर्थिक तंगी के बीच दीपोत्सव मनाना पड़ा है। दूसरे शब्दों में कहें तो शासन, प्रशासन की अनदेखी के चलते दिव्यांगों की दीपावली इस बार फीकी रही है। दरअसल, प्रत्येक पात्र दिव्यांग को शासन द्वारा हर माह दी जाने वाली 600 रुपए की पेंशन राशि अक्टूबर में खातों में नहीं डाली गई। ऐसे में दिव्यांगजनों को खुशियों का पर्व आर्थिक तंगी और परेशानियों के बीच मनाना पड़ा है। दिव्यांग संगठन जिलाध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि अनेकों दिव्यांग ऐसे हैं जिनके लिए शासन से मिलने वाली यह 600 रुपए पेंशन राशि काफी मायने रखती है। लेकिन, सितंबर माह की राशि 22 अक्टूबर तक भी किसी भी दिव्यांग के खाते में नहीं आ पाई है। हरिभूमि ने पेंशन न मिलने के संबंध में जब सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग प्रभारी एवं जिला पंचायत के एसीईओ अर्पित गुप्ता से संपर्क करना चाहा तो उनसे बात नहीं हो पाई।

चुनावी घोषणा पर भी नहीं हुआ अमल

श्री विश्वकर्मा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि चुनाव के समय दिव्यांगों की पेंशन राशि बढ़ाकर 1500 रुपए प्रतिमाह किए जाने की घोषणा की गई थी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बावजूद उक्त घोषणा का पालन भी अभी तक नहीं हो पाया है। अगर यह सरकार इसी तरह दिव्यांगजनों की अनदेखी करती रही तो जिले से मप्र के सभी दिव्यांगजनों द्वारा सीएम हाऊस तक स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी।

दीपावली पर 'खुशियों का ओटला' ने बांटी खुशियां

ब्यावरा। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में ब्यावरा शहर स्थित पुलिस थाने के पीछे संचालित सामाजिक संस्था 'खुशियों का ओटला' द्वारा हर साल की तरह इस वर्ष भी जरूरतमंद परिवारों को हैप्पी किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में करीब 150 महिलाओं को नई साड़ियां, बच्चों को मिठाइयां, नमकीन, आतिशबाजी और कपड़े प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों तक खुशियों को पहुंचाना रहा। संस्था के संचालक डॉ. सुरजीत सिंह ने बताया कि खुशियों का ओटला वर्ष 2015 से लगातार मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय है और हर त्योहार पर गरीब व जरूरतमंद परिवारों के बीच सहायता सामग्री वितरित करता आ रहा है। इस अवसर पर डॉ. रवी साहू, सोनम खान, काजल, कनक विशकर्मा, प्रियांशी शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया भाई दूज का पर्व, बहनों ने किया भाईयों का तिलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ शुजालपुर

दीपावली के पांचवें दिन मनाया जाने वाला भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व भाई दूज बुधनी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे श्रद्धा, स्नेह और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारी शुरू हो गई थी। बहनों ने स्नान-ध्यान कर आरती की थाल सजाई, तिलक का थाल तैयार किया और अपने भाइयों को विधिपूर्वक तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने बहनों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया और प्रेमपूर्वक उपहार व दक्षिणा भेंट कर स्नेह का प्रतीक दिया।

इस अवसर पर घर-घर में मिठाइयों की खुशबू और आत्मीयता का वातावरण देखने को मिला। कहीं बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधती नज़र आईं तो कहीं भाइयों ने बहनों को उपहार में साड़ी, मिठाई और नकद भेंट देकर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। हिंदू परंपरा के अनुसार, भाई दूज के दिन यमराज की बहन यमुनाजी ने अपने भाई का स्वागत कर तिलक लगाया था। बहन के स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने आशीर्वाद दिया कि जो भी इस दिन अपनी बहन से तिलक करवाएगा, उसे यमलोक का भय नहीं रहेगा। तभी से यह परंपरा शुरू हुई, जो आज भी पूरे भाव और श्रद्धा से निभाई जाती है। भाई दूज का यह पावन पर्व न केवल भाई-बहन के रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाता है, बल्कि परिवार में प्रेम, एकता और संस्कारों को भी सुदृढ़ करता है। नगर में पूरे दिन भाई-बहन के मिलन और पारिवारिक सौहार्द्र के सुंदर दृश्य दिखाई देते रहे, जिससे पूरा वातावरण भावनाओं और खुशियों से सराबोर हो उठा।

गौ सेवा से होती है समृद्धि और पर्यावरण संरक्षणः मंत्री टेटवाल

गोवर्धन पूजा व गौ पूजन कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

बुधवार को स्थानीय कपिलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्थित गौशाला में गोवर्धन पूजा एवं गौ माता की विधिवत पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत पवन दास महाराज के सानिध्य में राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर, कलेक्टर गिरीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने गोवर्धन पर्व के अवसर पर गौ माता की पूजा-अर्चना कर चारा खिलाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंत्री टेटवाल ने कहा कि गौ माता हमारी संस्कृति, श्रद्धा और समृद्धि की आधारशिला हैं। गौसेवा से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सशक्त नींव भी मजबूत होती है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद,हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ध्रुव भल्ला, सुशील व्यास, विष्णु पाटीदार, बद्रीलाल बामनिया, जुगल किशोर दुबे, महेश पाटीदार सहित अन्य ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

किसानों ने घेरा बिजली ग्रिड

ब्यावरा। किसानों के लिए समय पर बिजली की आपूर्ति ने होने के कारण फसलों पर असर पड़ रहा है। जिसके चलते किसान परेशान हो रहे हैं। कई बारी बिजली विभाग को शिकायत करने के बाद भी किसानों को सिंचाई के लिए मात्र 2 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। ब्यावरा के गिंदौर हाट, नेटाठारी पिपलिया खेडी व आधा दर्जन से अधिक गांव के नाराज किसानों ने सिलपटी बिजली ग्रिड का घेराव किया इस पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने तुरंत समाधान कि बात करते हुए बिजली आपूर्ति को समय पर देने की बात की जिसके लिए 3 दिनों का समय मांगा गया है। किसानों ने भी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विभाग द्वारा दी गई समय सीमा में समस्या का निदान नहीं हुआ तो फिर किसान आंदोलन व चक्का जाम करेंगे जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

श्री मानस गीता गोशाला में धूमधाम से हुआ गोवर्धन पूजा महोत्सव

नरसिंहगढ़। दीपोत्सव के पावन अवसर पर श्री मानस गीता गोशाला परिसर में परंपरागत रीति से गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विधिविधान से गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा-अर्चना की और गोमाता की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में विधायक मोहन शर्मा, महंत दीपेंद्र दास, भरत झंवर, रमेश मालवीय, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह परमार, जितेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य और आमजन उपस्थित रहे। पूजन उपरांत भजन-संकीर्तन के साथ प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर गोशाला परिसर दीपमालाओं से जगमगा उठा और श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं।

पूजा-अर्चना एवं विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गोवर्धन पर्व

मां जालपा गोशाला में नजर आई आस्था, सेवा और संस्कारों की त्रिवेणी

राजगढ़। स्थानीय संकट मोचन मंदिर के समीप स्थित मां जालपा गोशाला में विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन करते हुए गोवर्धन पूजा पर्व मनाया गया। गोशाला परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में गोमाता की आराधना, भजन-कीर्तन और झिलमिलाते दीपों की जगमगाहट से वातावरण भक्ति की गंगा में सराबार होता नजर आया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष ज्ञानसिंह गुर्जर ने गोशाला की गायों व अन्य गोवंश की पूजा-अर्चना उपरान्त गोसेवकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसके साथ ही वहां उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्यजनों द्वारा भी गोमाता का पूजन-अर्चन करते हुए आर्शिवाद लिया गया। मंच पर आयोजित गोसेवक सम्मान समारोह में उन समर्पित गोसेवकों का स्वागत, अभिनंदन किया जो पूरे साल निस्वार्थ भाव से बीमार और निराश्रित गोवंशों की सेवा-सुश्रुसा में लगे रहते हैं।

महिलाओं ने गोवर्धन बनाकर की पूजा अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर

झाडला गांव-देहात सहित आसपास के दूरदराज ग्रामीणों में दीपावली का पर्व बड़े उत्साह हर्षोल्लास से मनाया गया। दीपावली पर्व को लेकर हर वर्ग विशेष में खासा उत्साह का वातावरण बना रहा। त्योहार पर किसान एवं गाँव के लोगो द्वारा खूब खरीदी की गई।वही पड़वा पर्व पर किसानों ने अपने पालतू मवेशी भैंस, गाय और भेड़ बकरी की पुजा की गई तथा महिलाओं द्वारा अपने अपने घर के द्वार के सामने गो माता के गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजा अर्चना करके गोवर्धन परिक्रमा की गई। महिलाओं ने गोबर से निर्मित गोवर्धन बनाकर घर में सुख शांति, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की तथा प्रसाद वितरण कर गोवर्धन भगवान से अपने परिवार के लिए मंगल जीवन की कामना की गई।

राजगढ़ नगर सहित क्षेत्र के अनेकों लोगों को होगी परेशानी

क्षेत्रीय सांसद और विधायक के अनुरोध पत्रों पर भी रेलवे ने नहीं किया विचार

राजगढ़ स्थित हेड पोस्ट ऑफिस में बंद हुई रेलवे रिजर्वेशन सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

इसे विडंबना ही कहेंगे की दीपावली पर जहां शासन और सरकारें आमजनों के हितों के लिए नई-नई सौगातें दिया करती हैं वहीं राजगढ़ जिले में इसका उलट हुआ है। केंद्रीय रेलवे मंत्रालय ने राजगढ़ मुख्यालय स्थित हेड पोस्ट ऑफिस में साल 2014 से जारी रेलवे रिजर्वेशन काउंटर सुविधा को बंद कर दिया है। उक्त सुविधा के बंद होने से राजगढ़ नगर सहित आसपास क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को अब परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रिजर्वेशन काउंटर बंद किए जाने का निर्णय पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों द्वारा रेलवे द्वारा जारी अधिकृत पत्र के आधार पर किया गया है।

सांसद और विधायक के अनुरोध पत्र भी न कर सके काम

आपको बतादें कि पोस्ट ऑफिस में रेलवे आरक्षण की उक्त सुविधा बंद किए जाने की सुगबुगाहट काफी समय से सुनाई दे रही थी। इसी के चलते क्षेत्रीय एवं राजगढ़ विधायक द्वारा केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखते हुए मुख्य डाकघर में संचालित रेलवे टिकिट आरक्षण केंद्र को यथावत रखने के आगृह पत्र भी लिखे जा चुके हैं। इसके बावजूद 21 अक्टूबर से पोस्ट ऑफिस में रेल टिकट आरक्षक केंद्र बंद कर दिया गया है।

पोस्ट ऑफिसकर्मी स्वयं करते थे टिकट बुकिंग

ऐसा भी नहीं है कि उक्त रेलवे टिकिट काउन्टर के संचालन हेतु रेलवे ने अपना कोई कर्मचारी पोस्ट ऑफिस में पाबंद कर रखा था। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों द्वारा ही रिजर्वेशन काउन्टर पर आरक्षण

सुविधा प्रदान की जा रही है।

टिकटों की कम बिक्री बनी कारण

हेड पोस्ट ऑफिस में रेल टिकटों की कम बिक्री उक्त आरक्षण केंद्र बंद होने का प्रमुख कारण बताई जा रही है। दरअसल, रेलवे ने 1 जनवरी 2025 से 30 जून 2025 के बीच प्रतिदिन 10 टिकिट औसत बिक्री का आंकड़ा निकाला था जिसमें राजगढ़ सहित 25 अन्य पोस्ट ऑफिस खरे नहीं उतर पाए। इसी आधार पर रेलवे ने अपने नियमों का हवाला देते हुए उक्त काउन्टर बंद किए जाने संबंधी पत्र जारी किया है।

आरक्षण काउंटर बंद होने से नागरिकों में रोष

रेलवे द्वारा आम नागरिकों की सुविधा हेतु 11 साल से सतत रूप से चले आ रहे रेलवे रिजर्वेशन काउन्टर को अचानक बंद किए जाने से स्थानीय नागरिकों एवं अक्सर रेल से यात्रा करने वालों में खासा रोष व्याप्त है। आमजनों द्वारा सोशल मीडिया पर भी रेलवे के उक्त निर्णय पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हुए नाराजगी जाहिर की जा रही है।

इनका कहना..

हम तो खुद नहीं चाहते थे कि राजगढ़ के हेड पोस्ट ऑफिस में संचालित रेलवे रिजर्वेशन काउंटर बंद हो। परन्तु, रेलवे ने निर्णय लिया है तो हमें उसका पालन करते हुए काउंटर बंद करना पड़ा।

एमएल मालवीय
अधीक्षक, मुख्य डाकघर, सीहोर